Travel

The to and fro traveling expenditure of the participants including local conveyance will be borne by the nominating authorities.

Venue

National Institute of Rural Development & Panchayati Raj, North Eastern Regional Centre (NIRDPR-NERC), Jawahar Nagar, Guwahati -781022
Phone No.: 0361-2304790/2307043 (O), 0361-2302570 (Fax), 9854050437 (M)

Nominations

Nominations in the prescribed format should reach the address given below on or before **August 21, 2024**

Course Directors: Dr. Ratna Bhuyan, Assistant Professor & Professor R Murugesan, Director, NIRDPR, NERC, Guwahati

Nomination forms duly filled in to be returned to:

Dr. Ratna Bhuyan
Assistant Professor & Course Director
National Institute of Rural Development
North Eastern Regional Centre
Jawaharnagar, Khanapara
Guwahati-781022, Assam
9854050437 (M)

E-mail: ratnabhuyan.nird@gov.in/ bhuyanmamu@gmail.com/ trgresnerc.nird@gov.in

NOMINATION FORMAT

Title of the Training Programme:
Training Programme on Business Model and Business Plan Preparation for BDSPs

Last date of receiving nominations: August 21, 2024

1. **Name of the Participant**:
2. **Designation & Present Assignment:**
3. **Department/Organization:**
4. **Address for Communication with telephone No. and proper codes:**

Tel: (O)

Tel: (R)

Fax:

1. Age:

2. Educational Qualification:

Date:

Place:

Signature of the sponsor with seal

Training Programme on

Business Model and Business Plan Preparation for BDSPs (28-30 August, 2024)

Venue: NIRD&PR, NERC, Guwahati

BROCHURE

Last date of receipt of nominations:

August 21, 2024

NATIONAL INSTITUTE OF RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ
NORTH EASTERN REGIONAL CENTRE
NIRDPR LANE, NH-37
JAWAHARNAGAR, KHANAPARA
GUWAHATI-781022

TRAINING PROGRAMME
ON
BUSINESS MODEL AND BUSINESS PLAN PREPARATION FOR BDSPs

Promotion of entrepreneurship in any society is said to be the key to socioeconomic change and development. More so, worldwide there is a growing appreciation and interest on promoting rural entrepreurship. Both farm and nonfarm sectors across the rural gamut in India hold huge potential to promote entrepreneurship. However, more often than not, these sectors are often viewed only as cushions for self-sustained economies. In India, although the different flagship programmes of the government like the NRLM, ASPIRE, FPO promotion schemes of NABARD, SFAC etc emphasise upon promotion of entrepreneurship among women and youth in the farm and non-farm sectors, many challenges adorn the path to promoting rural entrepreneurship. Only a right set of strategic interventions with right efforts can cut across these challenges.

Enterprise creation is a process wherein along with motivation and confidence building, one also needs to guide and disseminate knowledge on the process, strategy, business plan and the available schemes and policies. Though strategic initiatives vary across different farm and non-farm enterprises, no enterprise can do without a business model and a business plan. Preparing a business plan which is viable and feasible needs acumen and knowledge on the different aspects of the enterprise which is proposed to be taken up. But even before, drawing the business plan itself is a methodical exercise which one should have a-priori knowledge about. Focus should be initially on coming up with business models with the help of the business model canvas (BMC) and then proceed towards drawing a business plan.

It is in the above light that the Training Programme on 'Business Model and Business Plan Preparation for BDSPs' is proposed for capacity building of the business development service providers (BDSPs) of the government and nongovernment organisations, institutions and departments who are into promoting rural farm and non-farm sector enterprises.

Objectives

i. To orient the participants on the concept of business model canvas for promoting rural farm and non-fam sector enterprises

ii. To equip the participants on the process, approaches and strategies of drawing business plans across the farm and non-farm sectors

Course Content

The course content would cover the following broad areas:

1. Opportunity identification in rural farm & non-farm sectors
2. Understanding the Business Model Canvas (BMC)
3. Drawing Business Models on the BMC
4. Understanding the process, approaches and strategies of drawing a business plan

Participants' Level

Business Development Service Providers/ functionaries from Department of Rural Development & Panchayati Raj and other Line Departments - SRLMs, Department of Handloom & Handicraft, Department of Agriculture, MOVCD, Department of Industries and Commerce and Development Professionals from the non-government sector/ organisations. Institutes/ universities etc.

Methodology

Adult Learning Methodology would be followed in the Programme. The methodology shall include lectures, group discussions, group work, field visit etc. Audio visual aid and other TLMs would be extensively used in the programme to facilitate better understanding on the subject. Besides the Faculties from NIRD-NERC, subject experts from government and non-government organisations would take sessions in the programme.

Course Fee

There is no course fee.

Duration

Three Days **(28-30 August, 2024)**

Board & Lodging

Free board and lodging will be provided to all participants in the Institute's Guest House.

Course Directors

Dr. Ratna Bhuyan & Professor R Murugesan

यात्रा

प्रतिभागियों के आने-जाने का यात्रा व्यय स्थानीय परिवहन सहित नामांकन प्राधिकारी द्वारा वहन किया जाएगा।

स्थान

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, उत्तरपूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनआईआरडीपीआर, एनईआरसी), जवाहरनगर, खानापारा, गुवाहाटी - 781 022

फोन नंबर: 0361-2304790/2307043 (का), 0361-2302570 (फैक्स), 9854050437 (मो)

नामांकन

नामांकन निर्धारित प्रारूप में **21 अगस्त 2024 तक** या उससे पहले नीचे दिए गए पते पर पहुंच जाना चाहिए।

पाठ्यक्रम निदेशक: डॉ. रत्ना भुयां, सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर रा. मुरुगेसन, निदेशक, एनआईआरडीपीआर, एनईआरसी, गुवाहाटी

विधिवत भरे गए नामांकन फॉर्म निम्नलिखित को वापस भेंजे:

डॉ. रत्ना भुयां
सहायक प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, जवाहरनगर, खानापारा, गुवाहाटी-781022, असम,
9854050437 (मोबाइल)
E-mail:ratnabhuyan.nird@gov.in/
bhuyanmamu@gmail.com/
trgresnerc.nird@gov.in

नामांकन प्रारूप

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक:

बीडीएसपी के लिए बिजनेस मॉडल और बिजनेस प्लान तैयार करने" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नामांकन प्राप्त होने की अंतिम तिथि: 21 अगस्त, 2024

1. प्रतिभागी का नाम :

2. पदनाम और वर्तमान दायित्व:

3. विभाग / संगठन:

4. टेलीफोस संख्या और उचित कोड के साथ पत्राचार के लिए पता:

टेलीफोन (का.) .....

टेलीफोन (नि.) .....

फैक्स : .....

1. आयु: .....

2. शैक्षिक योग्यता:

दिनांक:

स्थान:

मोहर के साथ प्रायोजक का हस्ताक्षर

"बीडीएसपी के लिए बिजनेस मॉडल और बिजनेस प्लान तैयार करने"
पर
प्रशिक्षण कार्यक्रम
(28-30 अगस्त, 2024)

स्थान: एनआईआरडीपीआर, एनईआरसी, गुवाहाटी

पाठ्यक्रम विवरणिका

नामांकन प्राप्त होने की अंतिम तिथि

21 अगस्त, 2024

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र

एनआईआरडी लेन, एनएच-37

जवाहरनगर, खानापारा
गुवाहाटी - 781 022

बीडीएसपी के लिए बिजनेस मॉडल और बिजनेस प्लान तैयार करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

किसी भी समाज में उद्यमिता को बढ़ावा देना सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और विकास के लिए कुंजी माना गया है। इससे भी अधिक, दुनिया भर में ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की सराहना और रुचि बढ़ रही है। भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। हालाँकि, अक्सर इन क्षेत्रों को केवल आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्थाओं के लिए सहारा के रूप में ही देखा जाता है। भारत में, हालांकि सरकार के विभिन्न प्रमुख कार्यक्रम जैसे एनआरएलएम, एएसपीआईआरई, नाबार्ड की एफपीओ प्रोत्साहन योजनाएं, एसएफएसी आदि कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं और युवाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हैं, लेकिन ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की राह में कई चुनौतियाँ भी हैं। केवल सही प्रयासों के साथ रणनीतिक हस्तक्षेप का एक सही मंच ही इन चुनौतियों से पार पा सकता है।

उद्यम निर्माण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रेरणा और आत्मविश्वास निर्माण के साथ-साथ, किसी को प्रक्रिया, रणनीति, व्यवसाय योजना और उपलब्ध योजनाओं और नीतियों पर मार्गदर्शन और ज्ञान का प्रसार करने की भी आवश्यकता होती है। हालाँकि विभिन्न कृषि और गैर-कृषि उद्यमों में रणनीतिक पहल अलग-अलग होती हैं, कोई भी उद्यम व्यवसाय मॉडल और व्यवसाय योजना के बिना नहीं चल सकता है। उद्यम के विभिन्न पहलुओं पर कौशल और ज्ञान की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक ऐसी व्यावसायिक योजना तैयार करना है जो सक्षम और व्यवहार्य हो और जिसे शुरू करने का प्रस्ताव है। लेकिन इससे पहले भी, व्यवसाय योजना बनाना अपने आप में एक व्यवस्थित अभ्यास है जिसके बारे में व्यक्ति को प्राथमिक ज्ञान होना चाहिए। शुरुआत में बिजनेस मॉडल कैनवास (बीएमसी) की मदद से बिजनेस मॉडल तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और फिर व्यावसायिक योजना बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उपरोक्त के आलोक में है 'बीडीएसपी के लिए बिजनेस मॉडल और व्यावसाय योजना तैयार करने' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, संस्थानों और विभागों के व्यवसाय विकास सेवा प्रदाताओं (बीडीएसपी) के क्षमता निर्माण के लिए प्रस्तावित है जो ग्रामीण कृषि और गैर-कृषि क्षेत्र के उद्यमों को बढ़ावा दे रहे हैं।

उद्देश्य

i. ग्रामीण कृषि और गैर- कृषि उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस मॉडल कैनवास की अवधारणा पर प्रतिभागियों को अनुकूल बनाना

ii. प्रतिभागियों को कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में व्यावसायिक योजनाएँ बनाने की प्रक्रिया, दृष्टिकोण और रणनीतियों से समर्थ बनाना

पाठ्यक्रम सामग्री

पाठ्यक्रम सामग्री निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। :

1. ग्रामीण कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्रों में अवसर की पहचान

2. बिजनेस मॉडल कैनवास (बीएमसी) को समझना

3. बीएमसी पर बिजनेस मॉडल तैयार करना

4. व्यवसाय योजना बनाने की प्रक्रिया, दृष्टिकोण और रणनीतियों को समझना

प्रतिभागियों का स्तर

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के व्यवसाय विकास सेवा प्रदाता/कार्यकर्ता और अन्य संबंधित विभागों- एसआरएलएम, हथकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग, कृषि विभाग, एमओवीसीडी, उद्योग और वाणिज्य विभाग और गैर-सरकारी क्षेत्र/संगठनों, संस्थानों/विश्वविद्यालयों आदि से विकास अनुभवी व्यक्ति।

कार्यप्रणाली

कार्यक्रम में प्रौढ़ शिक्षण पद्धति का पालन किया जाएगा। कार्यप्रणाली में व्याख्यान, समूह चर्चा, समूह कार्य, क्षेत्र का दौरा आदि शामिल होंगे। विषय पर बेहतर समझ की सुविधा के लिए कार्यक्रम में ऑडियो विजुअल सहायता और अन्य टीएलएम का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में एनआईआरडी-एनईआरसी के संकायों के अलावा सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के विषय विशेषज्ञ सत्र लेंगे।

पाठ्यक्रम शुल्क

कोई पाठ्यक्रम शुल्क नहीं है.

अवधि

तीन दिन (28-30 अगस्त, 2024)

भोजन एवं आवास

संस्थान के अतिथि गृह में सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क भोजन और आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम निदेशक

डॉ. रत्ना भुयां और प्रोफेसर आर मुरुगेसन